902566/2021/C&IS

2011/cis/misc/CRIS audit/2010-11

(67)

अधिप्रमाणित
AUTHENTICATED
के. एच. मुनियप्पा
K. H. MUNIYAPPA
रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री
Minister of State in the
Ministry of Railways

Ministry of Railways (Railway Board): C&IS Directorate

REVIEW OF THE PERFORMANCE OF THE CENTRE FOR RAILWAY INFORMATION SYSTEMS(CRIS) BY THE MINISTRY OF RAILWAYS FOR THE YEAR 2010-11.

The Centre for Railway Information Systems (CRIS) was constituted by the Ministry of Railways on 01.07.1986 as an autonomous body for computerization activities on Indian Railways. CRIS handles a number of important projects in various areas of Railway business.

One of the major projects being handled by CRIS is the Freight Operations Information System (FOIS). This project has been divided into two modules, the Rake Management System (RMS) and the Terminal Management System (TMS). Rake Management System (RMS) has been fully implemented. All the 851 new field locations of TMS Phase-II have been implemented and commissioned. TMS is now available at 1374 locations. In addition to above to capture the traffic of non-TMS locations, about 600 such locations have been converted into non-device locations under nodal station scheme. As a result, now more than 99% of freight traffic is booked through TMS. E-payment system has been implemented for 489 customers and more than Rs.33,345 crores of freight payment was received through e-payment during the year 2010-11. This constitutes about 58% of the total TMS traffic.

Two more modules of FOIS viz. Control Office Application for Control Charting and Crew Management System for ensuring optimum utilization of running staff were also developed. CMS Software system was rolled out in December 2007. Upto 31.3.2011, about 319 crew booking points were commissioned.

In Passenger Reservation System (PRS), Countrywide Network of Computerized Enhanced Reservation and Ticketing (CONCERT), based on the state-of-the-art client server technology, has been installed at all the PRS nodes providing facility for the passengers to book seats/berths on any train on IR from any location. PRS was running at 2355 locations and handling more than 3000 trains involving more than 1.5 million passenger transactions per day.

Unreserved Ticketing System (UTS) started as a pilot project at 23 stations in Delhi area of Northern Railway on 15th August 2002. Seeing the success of the system, UTS was extended to other locations and as on 31.03.2011, UTS was working at 4845 stations across All Indian Railways. By the end of the year, daily revenues of over Rs.29.3 crore were obtained from UTS by providing tickets to over 1.85 crore passengers each day.

Integrated Coach Management System (ICMS) has been developed to help in improving operational efficiency in utilizing passenger coaches and to monitor & analyze punctuality. The ICMS application is hosted on Central Servers located in CRIS and accessed by remote locations via the FOIS network.

Parcel Management System (PMS) developed by CRIS is planned for roll out in phases. In the first phase, 77 stations will be covered on 4 corridors.

The accounts of CRIS for the year 2010-11 have been audited by the office of the Comptroller and Auditor General. There are no major adverse comments.

रेल मंत्रालय द्वारा वर्ष 2010-11 के लिए रेल सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) के निष्पादन की समीक्षा

रेल सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) की स्थापना 1.7.1986 को भारतीय रेल पर कम्प्यूटरीकरण गतिविधियों के लिए एक स्वायत निकाय के रूप में रेल मंत्रालय द्वारा की गई थी। क्रिस रेल व्यवसाय के विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण परियोजनाए संभाल रहा है।

क्रिस द्वारा निष्पादित की जा रही महत्वपूर्ण परियोजनाओं में माल यातायात परिचालन सूचना प्रणाली (फोईस) शामिल है । इस परियोजना को दो मॉड्यूल अर्थात रेक प्रबंधन प्रणाली (आर.एम.एस.) और टर्मिनल प्रबंधन प्रणाली (टी.एम.एस.) में बाँटा गया है । आर.एम.एस. को पूर्णतः कार्यान्वित कर दिया गया है । टर्मिनल प्रबंधन प्रणाली (टी.एम.एस.) के द्वितीय चरण के सभी नए 851 स्थल क्रियान्वित कर दिये गए हैं । इसके पूर्ण होने से अब भारतीय रेल में 1374 स्थलों पर टर्मिनल प्रबंधन प्रणाली (टी.एम.एस.) उपलब्ध हो गयी है । इसके अतिरिक्त गैर -टी.एम.एस. स्थलों के यातायात को सम्मिलित करने के लिए, 600 स्थलों को नोडल स्टेशन स्कीम के अंतर्गत 'नॉन-डिवाइस' स्थल में परिवर्तित किया गया है । परिणामस्वरूप, अब 99% से अधिक माल यातायात टी.एम.एस. के माध्यम से बुक होता है। ई-पेमेंट सिस्टम 489 ग्रहकों के लिए कार्यान्वित किया गया है एवं वर्ष 2010-11 में 33,345 करोड़ रुपयों का राजस्व ई-पेमेंट द्वारा प्राप्त किया गया । यह कुल टी.एम.एस.-यातायात का लगभग 58% हिस्सा है ।

फोईस के दो अन्य मॉड्यूल अर्थात नियंत्रण चर्टिंग के लिए नियंत्रण कार्यालय अनुप्रयोग और रनिंग कर्मचारियों का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए कर्मीदल प्रबंधन प्रणाली भी विकसित किए गए हैं। कर्मीदल प्रबंधन प्रणाली दिसंबर 2007 में शुरू की गई । 31.03.11 तक 319 कर्मीदल बुकिंग पॉइंट कमिशन किए गए है।

यात्री आरक्षण प्रणाली में अत्याधुनिक क्लाइंट-सर्वर तकनीक पर आधारित देश भर में कंप्यूटरीकृत संवर्धन आरक्षण तथा टिकटिंग नेटवर्क सभी यात्री आरक्षण प्रणाली नोड पर स्थापित किया गया है , जिसमे भारतीय रेल पर किसी भी गाड़ी में किसी भी स्थान से सीट/शायिकाए बुक करने की सुविधा उपलब्ध है । 2355 से अधिक स्थलों पर यात्री आरक्षण प्रणाली परिचालित है, और प्रतिदिन 15 लाख से अधिक यात्री-संव्यवहार करते हुए 3000 से अधिक गाड़ियों की बुकिंग संभाल रही है।

15 अगस्त 2002 को उत्तर रेलवे के दिल्ली क्षेत्र में 23 स्टेशनों पर एक पायलट परियोजना के रूप में अनारक्षित टिकट प्रणाली (यू.टी.एस.) शुरू की गई थी । इसकी सफलता को देखते हुए यू.टी.एस. का अन्य स्थलों पर विस्तार किया गया था और 31.03.2011 को भारतीय रेल पर 4845 स्टेशनों पर कार्य कर रही थी। वर्ष के अंत तक प्रतिदिन 1.85 करोड़ से अधिक यात्रियों को टिकट उपलब्ध करा कर अनारक्षित टिकट प्रणाली से प्रतिदिन 29.3 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व अर्जित किया गया।

यात्री सवारी डिब्बों के उपयोग में परिचालन कुशलता के सुधार तथा समयपालन की निगरानी तथा विश्लेषण करने में मदद हेतु एकीकृत कोचिंग प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है । एकीकृत कोचिंग प्रबंधन प्रणाली, क्रिस में स्थित सेंट्रल सर्वर पर लगायी गई है और फोईस नेटवर्क के द्वारा इसे दूरस्थ स्थानों तक पहुँचाया गया है।

रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) द्वारा विकसित पार्सल प्रबंधन प्रणाली (पी.एम.एस.) चरणो में कार्यान्वित किए जाने के लिए तैयार है । प्रथम चरण में चार गलियारों के 77 स्टेशन पर क्रियान्वित किए जाएगा।

वर्ष 2010-11 के लिए क्रिस के लेखों की नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कार्यालय द्वारा लेखापरीक्षा की जा चुकी है। इसमे कोई प्रमुख प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की गई है ।

*****

2011/cis/misc/CRIS audit/2010-11

902566/2021/C&IS

Statement giving reasons for delay in laying of the Annual Report and Audited Accounts of the Centre for Railway Information Systems for the year 2010-11.

The Annual Accounts and the Receipts and Payments Account of CRIS for the year 2010-11 were closed and made available to the Principal Director of Audit, Northern Railway on 19.05.2011. Audit of Accounts commenced on 15.06.2011 and were completed on 18.08.2011. Draft Audit Report was issued to CRIS on 13.10.2011. Replies were sent to Audit on 19.10.2011. The Audit Certificate dated 24.11.2011 was received on 25.11.2011. The Audited Accounts along with the Annual Report for the year 2010-11 was approved by the Executive Committee through circulation of papers on 30.01.2012 and by the Governing Council of CRIS through circulation of papers on 27.02.2012. Accordingly, the Annual Report and Audited Accounts for the year 2010-11 is being placed on the Table of Both Houses of Parliament during the ensuing Budget Session of 2012.

2011/cis/misc/CRIS audit/2010-11

902566/2021/C&IS

अधिप्रमाणित

(भरतसिंह सोलंकी)
रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री

रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र की वर्ष 2010-11 की वार्षिक रिपोर्ट और लेखा-परीक्षित लेखे के प्रस्तुतीकरण में विलम्ब के कारणों का विवरण

रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र के वर्ष 2010-11 के वार्षिक लेखे और प्रसि एवं भुगतान लेखे बन्द कर के प्रधान निदेशक/लेखा-परीक्षा, उत्तर रेलवे को 19.05.2011 को उप्लब्ध करा दिये गये थे । 15.06.2011 को लेखा परीक्षा शुरू की गयी और 18.08.2011 को पूरी हो गयी । लेखा-परीक्षा टिप्पणियां क्रिस को 13.10.2011 को जारी की गयी । 19.10.2011 को लेखा-परीक्षा को उत्तर भेज दिये गये । दिनांक 24.11.2011 का लेखा-परीक्षा प्रमाण-पत्र 25.11.2011 को प्राप्त हुआ था । वर्ष 2010-11 की वार्षिक रिपोर्ट के साथ-साथ लेखा-परीक्षित लेखे कार्यकारिणी समिती द्वारा दस्तवेजों के परिचालन के माध्यम से 30.01.2012 को अनुमोदित किये गये तथा क्रिस की गवर्निंग कांउसिल द्वारा दस्तवेजों के परिचालन के माध्यम से 27.02.2012 को अनुमोदित किये गये । तदनुसार, वर्ष 2012 के आगामी बजट सत्र के दौरान संसद के दोंनों सदनों के पट्ल पर वर्ष 2010-11 से संबंधित क्रिस की वार्षिक रिपोर्ट और लेखा-परीक्षित लेखे प्रस्तुत किये जा रहे हैं ।

****